

सीएसआईआर-आईएचबीटी

## "अजुगा परविप्लोरा (नीलकंठी) की वाणिज्यिक सूक्ष्मप्रवर्धन विधि/ प्रोटोकॉल"

के लिये अभिरुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित करता है।

सीएसआईआर-आईएचबीटी "अजुगा परविप्लोरा (नीलकंठी) का वाणिज्यिक सूक्ष्मप्रचार प्रोटोकॉल" प्रौद्योगिकी के लाइसेंस के लिए उद्योगों / एसएमई / प्रगतिशील उद्यमियों से रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित करता है।

अजुगा पार्विप्लोरा (नील कंठी), लैमिएसी कुल का एक शाकीय पौधा है, जो नियोकलेरोडेन डाइटरपेनोइड्स और वाष्पशील तेलों जैसे विभिन्न फाइटोकोन्स्टिट्यूट्स के कारण अपने औषधीय गुणों के लिए जाना जाता है, जिसमें ज्वरनाशक, दर्दनिवारक, मलेरिया-रोधी और मधुमेह रोधी गतिविधियों सहित कई पारंपरिक औषधीय के लाभ के अवयव होते हैं। वैज्ञानिक रूप से, इसकी सूजनरोधी, रोगाणुरोधी, प्रतिविषाणुज और हेपेटोप्रोटेक्टिव (यकृत पर सहायक) प्रभावों के लिए पुष्टि की गयी है। इसका उपयोग हाइपरलेसेमिया (उच्च रक्त शर्करा), अस्थमा, बुखार, पीलिया, एचसीवी, गठिया, कैंसर और घावों के इलाज के लिए परम्परागत चिकित्सा के रूप में भी किया जाता है। उक्त सूक्ष्मप्रचार प्रोटोकॉल की प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- अजुगा पार्विप्लोरा के तीव्र प्रवर्धन के लिए एक अनुकूलित समय प्रभावी प्रोटोकॉल।
- आसानी से गुणित हो पाने वाला प्रोटोकॉल, जिससे वर्ष भर गुणवत्तायुक्त रोपण सामग्री का उत्पादन किया जा सकता है।
- कच्चे माल के रूप में प्राकृतिक पौधों पर निर्भरता समाप्त हो जाती है
- ऊतक संवर्धन द्वारा उगाए गए पौधों का उपयोग दवा उद्योग द्वारा किया जा सकता है।

आवेदन में कंपनी प्रोफाइल और विपणन रणनीतियों का विवरण शामिल होना चाहिए। चयनित पार्टियों को चर्चा के लिए बुलाया जाएगा। इच्छुक पार्टियां एक सीलबंद कवर में "अभिरुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई)" उल्लिखित करके निम्न पते पर अपना विवरण भेज सकती हैं।

### निदेशक

सीएसआईआर-हिमालय जैवसंपदा  
प्रौद्योगिकी संस्थान  
पोस्ट बॉक्स सं 06, पालमपुर (हि.प्र.)  
176061  
ईमेल: director@ihbt.res.in  
दूरभाष: +91-1894-230411

### समन्वयक

व्यापार विकास एवं विपणन इकाई (बीडीएमयू)  
सीएसआईआर-हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान  
पोस्ट बॉक्स सं 06, पालमपुर (हि.प्र.) 176061  
या ईमेल: bdmu@ihbt.res.in  
फोन: +91-1894-233339 Ext 393  
फैक्स: +91-1894-230433